Class Notes

Class: छठवीं	Topic: पाठ- 11 जो देखकर भी नहीं देखते
Subject: वसंत भाग-1	Date: 04.12.21

बहुविकल्पीय प्रश्न-

प्रश्न-1.लेखिका की एक मित्र जंगल की सैर करके आई तो लेखिका ने उससे क्या पूछा?
अ.जंगल कैसा था?
ब.वर्षा हो रही थी?
स. तुम्हें डर तो नहीं लगा?
द.आपने क्या-क्या देखा?
उत्तर- द.आपने क्या-क्या देखा?

प्रश्न-2.कौन लोग बहुत कम देखते हैं?
अ.व्यस्त रहने वाले
ब.आँखों वाले
स.पर्यटक
द. जल्दबाज़
उत्तर- द.जल्दबाज़

प्रश्न-3. लेखिका अपने मित्रों की परीक्षा क्यों लेती हैं?
अ. उनके ज्ञान को परखने के लिए
ब.उन्हें बुद्धिमान बनाने के लिए
स. यह परखने के लिए कि वे क्या देखते हैं
द. उपरोक्त में से कोई नहीं
उत्तर-अ. यह परखने के लिए कि वे क्या देखते हैं

प्रश्न-4. मित्र का जवाब जानकर लेखिका को हैरानी क्यों नहीं हुई?
अ. ऐसे उत्तरों की वह अभ्यस्त थी
ब. ऐसे उत्तर की आशा नहीं थी
स. उसने कुछ सुना ही नहीं
द. वह सब कुछ सुन रही थी
उत्तर- अ. ऐसे उत्तरों की वह अभ्यस्त थी

प्रश्न-5. लेखिका वस्तुओं को कैसे पहचानती हैं?
अ. सूँघकर
ब. देखकर
स. छूकर
द. सुनकर
उत्तर- स. छूकर

प्रश्न-6. वसंत में लेखिका नया क्या खोजती हैं?
अ. कलियाँ
ब. टहनियाँ
स. पंखुड़ियाँ
द. फूल
उत्तर- अ. कलियाँ

प्रश्न-7. लेखिका को किस मौसम में प्रकृति के जादू का एहसास था?

अ.ग्रीष्म
ब.शरद
स.वसंत
द. वर्षा
उत्तर- स. वसंत

प्रश्न-8. लेखिका का मन क्यों मचल उठता था?
अ. खूब घूमने के लिए
ब. खूब हँसने के लिए
स. सब कुछ पाने के लिए
द. सब कुछ अपनी आँखों से देखने के लिए
उत्तर- द. सब कुछ अपनी आँखों से देखने के लिए

प्रश्न-9.लेखिका के अनुसार जिन लोगों की आँखें हैं, प्रकृति के सुंदर रंग ऐसे लोगों के किस भाव को नहीं छूते?
अ. संवेदना
ब. करुणा
स. उत्साह
द. उमंग
उत्तर- अ. संवेदना

प्रश्न-10. मनुष्य किस की कदर नहीं करता?
अ. अपने अपनों की
ब.अपनी क्षमता की
स.अपनी क्षमाशीलता की
द.अपने असूलों की
उत्तर- ब.अपनी क्षमता की

निबंध से-
प्रश्न- 'प्रकृति का जादू' किसे कहा गया है?
उत्तर- प्रकृति का जादू पेड़ों की खुरदरी-चिकनी छाल, वसंत में खिली हुई नई कलियाँ, फूलों की पंखुड़ियों की मखमली सतह, टहनी को हिलाने से पैदा हुआ चिड़ियों का मधुर गुंजन आदि को कहा गया है।

मूल्यबोध संबंधी प्रश्न-
प्रश्न- हेलेन केलर की जीवनी से हमें क्या प्रेरणा मिलती है?
उत्तर- हेलेन जब मात्र डेढ़ वर्ष की थीं, तभी उन्हें एक बीमारी हो गई, जिसके कारण उनकी देखने और सुनने की क्षमता समाप्त हो गई। इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी। उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी की और अपनी आत्मकथा के अलावा सैकड़ों लेख लिखे। उन्होंने देश-विदेश में मानवाधिकार और विश्व शांति के लिए काम किया इन सब कार्यों में उनकी लगन, मेहनत और मानव मात्र के प्रति प्रेम उजागर होता है। साथ ही उनकी जीवटता का पता चलता है। हमें उनके व्यक्तित्व से कठिन परिस्थितियों से हार न मानने, जुझारू एवं परिश्रमी बनने की प्रेरणा मिलती है।

पाठ-12
संसार पुस्तक है

बहुविकल्पीय प्रश्न-
प्रश्न-1 लेखक की पुत्री कहाँ पर है?
अ. नैनीताल
ब. इलाहाबाद
स. मसूरी
द. दिल्ली
उत्तर- स. मसूरी

प्रश्न-2. इंग्लैंड छोटा-सा क्या है?

अ.मैदान
ब. टापू
स. पर्वत
द. घाटी
उत्तर- ब. टापू

प्रश्न-3. आदमियों से पहले धरती पर क्या था?
अ.वनस्पति
ब.जानवर
स. पत्थर
द.पानी
उत्तर- ब.जानवर

प्रश्न-4. आज की धरती कैसी है?
अ. जानवरों से भरी हुई
ब. वनस्पति से भरी हुई
स. मनुष्यों से भरी हुई
द. उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं
उत्तर- द.उपरोक्त सभी विकल्प सही हैं

प्रश्न-5. पशुओं से पहले धरती पर क्या था?
अ.कोई सजीव वस्तु नहीं थी
ब. जन-जीवन खुशहाल था
स. सर्वत्र जल ही जल था
द. बहुत जलचर थे
उत्तर- अ. कोई सजीव वस्तु नहीं थी

प्रश्न-6.किस छोटी-सी वस्तु से भी बहुत कुछ जाना जा सकता है?
अ.व्यक्ति
ब. रोड़े
स.कण
द.कोने
उत्तर- ब. रोड़े

प्रश्न-7. संसार रूपी पुस्तक कैसे पढ़ी जाती है?
अ.व्यवहार ज्ञान से
ब.गुरु ज्ञान से
स.आत्मज्ञान से
द. ब्रह्म ज्ञान से
उत्तर- अ.व्यवहार ज्ञान से

प्रश्न-8. कौन आशावान है?
अ.लेखक
ब.उसकी पुत्री
स. उसकी पत्नी
द.उसकी बहन
उत्तर- अ.लेखक

प्रश्न-9. क्या तोड़ने से उसके टुकड़े खुरदरे और नुकीले होते हैं?
अ. सीताफल
ब. चट्टान
स. तरबूज
द. खरबूजा
उत्तर- ब. चट्टान

प्रश्न-10. दरिया किसे छोड़ गया था?
अ.पत्थर को
ब. रोड़े को
स.बालू को
द. कंकड़ को
उत्तर- द. कंकड़ को

पत्र से-
प्रश्न- लाखों-करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती कैसी थी?
उत्तर- लाखों-करोड़ों वर्ष पहले हमारी धरती बहुत गर्म थी। इस पर ऑक्सीजन नहीं थी। इसलिए प्राणी-जगत का होना असंभव था। हमें पहाड़ों और पुराने जानवरों की हड्डियों के अध्ययन से इसका पता चलता है।

मूल्यबोध संबंधी प्रश्न-
प्रश्न- क्या आपको लगता है कि प्रकृति का कण-कण हमें शिक्षा देता है? सोदाहरण समझाइए।
उत्तर- हाँ, मुझे ऐसा लगता है कि प्रकृति का कण-कण हमें शिक्षा देता है। हवा से लेकर नदी तक, पहाड़ से लेकर पेड़-पौधे तक और कीड़े-मकोड़ों से लेकर जंगली जानवर तक सब हमें शिक्षा देते हैं। उदाहरण - स्वरुप पेड़ को ही लें। वह हमें फल देता है, जलावन की लड़की देता है, छाया और ऑक्सीजन देता है, लेकिन बदले में हमसे कुछ नहीं माँगता। हम पेड़ से परोपकार की भावना की शिक्षा ले सकते हैं। इसी प्रकार कुत्ता वफादारी की, मधुमक्खी परिश्रम की और नदियाँ अनवरत बहते रहने की शिक्षा देते हैं।